

Total No. of Printed Pages—3

3 SEM FYUGP HINC3A

2025

(Nov/Dec)

HINDI

(Core)

Paper : HINC3A

(हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावाद तक)

Full Marks : 60

Time : 2 hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×6=6
- (क) 'कविवचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?
- (ख) द्विवेदी का पूरा नाम क्या है?
- (ग) "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।" किसने कहा है?
- (घ) छायावाद युग में वेदना की कवयित्री किसे कहा गया है?

(2)

- (ड) हिन्दी साहित्य में खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य किसे माना गया है?
- (च) 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 4 = 16$

- (क) भारतेन्दुयुगीन चार प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
- (ख) भारतेन्दुयुगीन राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
- (ग) भारतीय सांस्कृतिक जागरण से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में लिखिए।
- (घ) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।
- (ड) मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
- (च) "पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 3 = 30$

- (क) हिन्दी काव्य में भारतेन्दु के योगदान को विस्तारपूर्वक लिखिए।
- (ख) द्विवेदीयुगीन काव्यों का विवेचन कीजिए।
- (ग) छायावादी काव्य की प्रवृत्तिगत विशेषताओं का उल्लेख उदाहरण सहित कीजिए।

(3)

- (घ) निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
- (ड) "हिन्दी काव्य को समृद्ध करने में द्विवेदी की भूमिका सराहनीय रही है।" सतर्क उत्तर दीजिए।

4. महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

छायावाद के प्रमुख कवियों का नामोल्लेख करते हुए उनकी रचनाओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

★ ★ ★